



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 800]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 18, 2016/कार्तिक 27, 1938

No. 800]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 18, 2016/KARTIKA 27, 1938

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 नवम्बर, 2016

सा.का.नि. 1077(अ).—कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसमें केंद्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा-5 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने का प्रस्ताव करती है, जिसे उक्त अधिनियम की धारा-14 की अपेक्षानुसार ऐसे व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के पश्चात उक्त प्रारूप पर विचार किया जाएगा;

यदि कोई आक्षेप या सुझाव हो तो उसे महानिदेशक नागर विमानन, सफदरजंग हवाई अड्डे के सामने, नई दिल्ली-110003 को या dgoffice.dgca@nic.in पर भेजें;

उक्त विनिर्दिष्ट अवधि के समाप्त होने से पूर्व उक्त प्रारूप नियमों के बाबत यदि किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त होता है, तो उस पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (.....संशोधन) नियम, 2016 है।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 में,
- (1) नियम 133 ख में, उप-नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित पाठ को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(3) जहां आवश्यक समझा जाए, वहां उप-नियम (1) के खंड (क) के अधीन सूचीबद्ध एक या एक से अधिक कार्यकलापों में लगा हुआ संगठन या व्यक्ति अनुमोदन प्रणाली के अधीन प्रचालन करेगा जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए। ऐसे अनुमोदन के लिए अनुरोध ऐसी रीति और प्रारूप जो विनिर्दिष्ट की जाए, में महानिदेशक

को किया जाए और अनुरोध के प्राप्त होने पर, इस बात का समाधान हो जाने पर कि आवेदक ने विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, महानिदेशक अनुमोदन प्रदान कर सकेंगे। यह अनुमोदन ऐसी निबंधन शर्तों के अधीन होगा जो विनिर्दिष्ट की जाएं।

(ख) उप-नियम (3क) के पश्चात, निम्नलिखित उप-नियम को अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थात:-

“(3ख) अनुमोदित संगठन या व्यक्ति अपने कार्य की परिधि का विस्तार करने के लिए किसी समय महानिदेशक से संपर्क कर सकेगा और इस बात का समाधानप्रद हो जाने पर कि विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन किया गया है, महानिदेशक यथा अनुरोध या विनिर्दिष्ट स्तर तक जिसे उचित समझें, परिधि के विस्तार का अनुमोदन प्रदान कर सकेंगे। इस उप-नियम के अधीन परिधि के विस्तार, यदि कोई हो, का अनुमोदन दिया गया है, तो वह मूल अनुमोदन की विधिमान्यता तारीख तक ही विधिमान्य रहेगा।”

(2) नियम 133ग में,-

(क) उप-नियम (1) में,-

- (i) खंड (i) में “25,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों के स्थान पर “2,00,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों को प्रतिस्थापित किया जाए;
- (ii) खंड (ii) में “50,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों के स्थान पर “4,00,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों को प्रतिस्थापित किया जाए;
- (iii) खंड (iii) में “1,00,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों के स्थान पर “8,00,000/- रुपये” शब्द तथा अंकों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ख) उप-नियम (2) में “नवीकरण” शब्द के स्थान पर “नवीकरण या परिधि के विस्तार” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए;

(ग) उप-नियम (2क), में “एक लाख” शब्दों के स्थान पर “दो लाख” शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाए।

[फा. सं. एवी.11012/3/2014-ए]

अरूण कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण:- मूल नियम तारीख 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना सं. वी-26 द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन तारीख 24 अक्तूबर, 2016 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित सा.का.नि 977(अ) द्वारा किए गए।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2016

G.S.R. 1077(E).—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published as required by section 14 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India, in which this notification is published, are made available to the public;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Director-General of Civil Aviation, Opposite Safdarjung Airport, New Delhi-110003 or sent to dgoffice.dgca@nic.in;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. (1) These rules may be called the Aircraft (..... Amendment) Rules, 2016.
- (2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, —
 - (1) in rule 133B for sub-rule (3), the following text shall be substituted, namely:-

“(3) Where considered necessary, an organisation or a person engaged in one or more of the activities listed under clause (a) of sub-rule (1) shall operate under a system of approval as specified by the Director-General. The request for such approval shall be made to the Director-General in such form and manner as may be specified and on receipt of request, the Director-General may grant the approval on being satisfied that the applicant has complied with specific requirements. The approval shall be subject to such terms and conditions as may be specified.”

(b) after sub-rule (3A), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

“(3B) An approved organization or a person may approach to the Director-General at any time for extension of the scope of his work and the Director-General, on being satisfied that the specified requirements have been complied with, may grant approval for extension of scope as requested, or to a specific level, as deemed fit. The approval of the extension of scope, if any, granted under this sub-rule, shall be valid only up to the date of validity of the original approval.”
 - (2) in rule 133C,—
 - (a) in sub-rule (1),—
 - (i) in clause (i), for the word and figures, “Rs. 25,000/-”, the word and figures, “Rs. 2,00,000/-” shall be substituted;
 - (ii) in clause (ii), for the word and figures, “Rs. 50,000/-”, the word and figures, “Rs. 4,00,000/-” shall be substituted;
 - (iii) in clause (iii), for the word and figures, “Rs.1,00,000/-”, the word and figures, “Rs. 8,00,000/-” shall be substituted;
 - (b) in sub-rule (2), for the word, “renewal”, the words, “renewal or extension of scope” shall be substituted;
 - (c) in sub-rule (2A), for the words, “one lakh”, the words, “two lakhs” shall be substituted.

[F. No. AV. 11012/3/2014-A]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India, *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and were last amended *vi*

de G.S.R. 997(E), published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 24th October, 2016.